[illegible]

सख्यु सख्य सख्ये सख्यु सख्युः सख्युः सख्योः सख्याम् सखिनी
तियवार्थमिदमिति न सखिसमासवन्तात्ः इत्युक्तिकिम् | सखिभिः
॥०३॥ तस्य पुंस्त्वं पुंवत् ॥ नपुंसकम् | नपुंसकं सुमति
सुमतये मतये मतेः कर्तृणि कर्तृणि शुचिनी शुचये
शुचिने शुचये नपुंसकमितिकिम् | सुमतिनी इत्युक्तिकि
म् | शुचिभिः नपुंसकमितिकिम् | पीलुफलं पनवृक्षग
णस्य वनपुंसकं शब्दमिति इत्युक्तं तु शब्दात्मकमयम् |
शब्दस्य प्रयोगात् भविष्यः तस्य पुंस्त्वं नेतिनियमन
पीलुनः पीलुफलम् | पीलुने पीलुनि पुंवत्त्वः प्र
युक्तयुक्तिः निमित्तमिति इति नियम | एकनपुंसकः
सर्वस्मिन्लिङ्गे पुंवत् एकमेव गमनस्य युक्तपुंस्त्वं
युतम् ॥ ०८ ॥ सौ अमगमनः ॥ सौ अमनो नपुंसकस्य
स्त्रीपुंसः समुद्रिसप्तम्याः पञ्चमी पिन्दुमी ॥ ०५ ॥
नपुंसकस्य पञ्चम्याः ॥ सुमिमनवित्तेन यत्नानाम् | नपुं
सकिम् | पलुम् | मनसकिम् | यत्नानाम् ॥ ०६ ॥ यदि
समस्वरम् ॥ गच्छ गच्छन्ती गच्छन्तः गच्छन्तम् | गच्छ
न्ती समस्वरमितिकिम् | देवगणानाम् ॥ ०१ मस्तु महतेनपञ्च
मः ॥ उपपदेय इत्व उपपदे नपञ्चमाद्भिः इति सम्पन्नयः वि
द्वान् | विद्वांसौ विद्वांसः विद्वांसम् | विद्वांसौ महान्तौ म
हान्ते महान्तः महान्तम् | महान्तौ विद्वांसि महान्ति उप
पदस्य इति नकारे विशेष उक्ते उपपदे समस्वर वि
इतिकिम् | देवविद्वान् | महाकर्मणानमस्यद्भुतेन महाकर्म ॥०३

०३

॥ 𑇑𑇘 ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
𑇑𑇕 ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
𑇑𑇗 ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] || ३३ || [illegible] ||
[illegible] || ३४ || [illegible] || ३५ ||
[illegible] || पचतुः [illegible] ||
|| ३६ || [illegible] || पचन्ती पचन्तः [illegible] ||
[illegible] || ३७ || [illegible] ||
[illegible] || ३८ || [illegible] ||
|| ३९ || [illegible] ||
[illegible] || ४० ||
[illegible] || ४० ||
[illegible] || ४१ || [illegible] ||
[illegible] || ४३ || [illegible] || ४४ || [illegible] ||
[illegible] ||
[illegible] ||
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ५३॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ५८॥ [illegible] ॥
[illegible] विश्वपः [illegible]
विश्वपे विश्वपः [illegible] विश्वपं [illegible]
[illegible] ॥ ५५॥ [illegible] ॥ [illegible]
नित्ये नित्यः नित्यं नित्या नित्ये नित्यः नित्यः [illegible]
[illegible] ॥ ५६॥ [illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ५३॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] नित्ये [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ५७॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
॥ ६०॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

सन्स्तम्भस्तुविंशत्यः उपसर्गात्परोन्नवतिरिप्याः पुंस्त्व
मजने अतिभिः अतिभिर्या अतिभिरयः उत्पत्तिः अतिभिः
अतिभिर्युमा अतिभिनौ अतिभिरः ॥ १२ ॥ ठवतवन्तमेक
वंशवृन्दं ॥ कठे: कठवना ठणवना मध्यवञ्जवरेणपीड
उ कठणः कठणवना कठमध्यैः कठमध्यवना ॥ १३ ॥
चतुर्थपञ्चमप्रः शुगन्तवृत्तैकः ॥ मज्जोत्तजम्भितेन्द्र
मतपक्षस्वन्तकमध्ये: मल्लयमधिविडङ्किः धृष्टयंयं धृक्की
तिः ॥ उष्णकः ठवकना गणकः भकः भचकः विस्त
कः मटमल्लिम्लकुधेत मवकः विडकः ईलकः
मन्थकः मशिकः मेवमुकः ॥ १४ ॥ कपुत्रयमी
मतकणपापुत्रेकस्तकमा ॥ मचिक कणिक
मूर्धयकिमा मकरकउतिकिमा नमनः पकनः किमा
नूकः मणिकः नाकिकाणिकायाटिकुणटिकाउम छ
यलकन्दमन्नयउमष्टटकनमुष ॥ यकः मकः उपटक
मण्टकः श्रीकमीनमन श्रिपकः पूवकः कन्टक
मल्कः उगकः ह्लोउधि मटर उगिकः वल्ठक
उन्नव मटर वल्तिक वउकणमउनौ धूमकं उमीसं
वतिक मञ्जकणपिष्टदेवते मधिकन्तुः मउकः मउ
कः मडकः मडिक मन्मनकः मन्मणिकेउितः ॥ ॥
इति द्वितीयः पादः ॥ २ ॥
उतिकिंमोत्तमभस्तगभूमीतिउदयंकवणमभस्मृणकिंरे
भाष्यमनवपत्तुउवउनेमहेणड्डिमणगाममम्लः उडुंकनगर
धमधमुणिनिसिमेन लेकिडणपत्रसंयेः तेणन्दणमिउडागहस्त

क॰ ची॰ १०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

उभिमन्त्रः॥ ज्ञान्तभ्यां मणीनभ्यां गणीतभ्यां उमान्नभ्यां
मउपलिनुस्वैवप्रनउनेरु॥ नहभ्यां मुवन्भ्यां॥ १० ॥ इसूक
॥ इयन्तभ्यां धरमइयन्तभ्यां गौल्लुनेउिकभिद्यां भिय
रीतभ्यां प्रकरणमउउ भियइयन्तभ्यां॥ ११॥ मउरः॥ ॥
मउत्तभ्यां धरमम उत्तभ्यां नेरु भियमउरभ्यां॥ १२॥
मञ्जयः भुनुयः॥ धम्भभ्यां धञ्जनभ्यां मञ्जयः किमा
विभूक्षभ्यां धन्भनभ्यां मधूरण्नायन भियधक्षभ्यां भिय
धञ्जभ्यां॥ १४॥ कञ्जपाम्भमैतुका॥ धङ्गिभुति धङ्गभु
धन्तैउभुति धञ्जमभु कति १ नुपेपनभूहयनउभिति नक
रैन॥ नेरु भियधमः १ भियकञ्जयः भियकउीना॥ १५
नियेसिरभ्यां॥ नियभ्यां मनरुभ्यां उपणिमविमभूष
कषनरोरु॥ भूमालिनिउलै॥ १६॥ उउलिमूप्रणा
धमः॥ ॥ ॥ ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ ॐ विउद्बुउीणिभमंगविनभुउीभंमा
रवीउिंमणंडीमउः भिवभां निकालयन्तीपेरमान्जपहूउिं
भनीभिठ्ठूपरयम्भमस्तुउीभां॥ नमापिपुञ्जनवमप्रिः॥
भाष्ट भाष्ट॥ भिंकवलैकिउद्युनभभन्भउष्ट
उ उनेकन भमापिन॥ ० ॥धउिरभमन्भे॥ धष्ट
धष्ट भमभुन्मौकिभां धउीनां॥ २ ॥ भूीनलीवज्ञ॥ विक
लानिविषण्डयणः॥ ३॥ भूणञ्जविपुवनवर्णभि॥ मीउ
भां भियन्भां हउभां कवन्भां उयवनविउिलक्ष्मायेन्तु

क॰
ग्रं॰
०१

भन्ला भडा भन्हुभा भडुभा एवं झका झू ... भा
[illegible]
घका णेघुहुभा ... भा
निधुहुं निधुहुभा विण्पा विण्हुभा॥ भ...
ः॥ भडाः भडाहुभा भडाह्नुभा तुमीः तुमीहु
तुमीह्नुभा विरभहाह्ननामविहेव भडाखे तुमिखे॥
इकागीतुर॥ मीः मीहुभा मीह्नुभा ध्रः ध्रहुभा ध्रहु
भा एतेभिहेव तेनेरून भधिः भधिहुभा॥ मक्रः भः॥
मरः मरिहुभा मरभ्रु मरहुं विरभहाह्ननामविहि
किभा मरूनि मीऊरूः॥ भेयेणानुभूलिपः॥ ठवन्ना
[illegible]
... हुहुभा॥ लि...नुनकः॥ ...
...॥ ...॥ ...॥ नुमयेणा
तुलपूलु भुवडा॥ ठवन्ना ... मडनेलपमीह्नुने॥
इभुमुखं धाधवाडिः॥ भधिहुभा णनुहुभा मझुहुभा॥
घूहंतृडीयः॥ मिप्रिभहुभा ह्नुनकुहुभा मीकहुभा॥
मुघेघपुघमः॥ ... वनिरभ॥
वन्का वन्णा मिप्रिभडा मिप्रिभरा भभिड्रा भभिभरा॥ ...
भचिमल्लनीयः॥ मीः ध्रः थयः ... यमकहुभा थयेहुभा
यमः भु थयभ्रु ... नीहुं ध्रहुभा नीध
ध्रहु॥ विरभहाह्ननामवर्तुनघुंभकहुमल्लेपाधि॥ भु
नतुडा भपाधि भडु॥ इति तृतीयः पादः॥ ॥
इतिहुभा

क. पं. ०७